A–359

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–606

काव्यशास्त्र भाग–02

MA SANSKRIT (MASL)

4th Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित की विस्तृत व्याख्या कीजिए :

   'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि।'

2. 'वक्रोक्तिः काव्य जीवितम्' कथन को स्पष्ट कीजिए।

3. मम्मट के काव्य प्रयोजन को सोदाहरण लिखिए।

4. अलंकारों के विकास पर टिप्पणी लिखकर अनुप्रास अलंकार को सोदाहरण लिखिए।

5. रस भेदों को उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

काव्यशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रूपक अलंकार को सोदाहरण लिखिए।

2. रसोत्पत्तिवाद पर टिप्पणी लिखिए।

3. 'काव्यस्य आत्मा ध्वनिः' इस कथन की व्याख्या कीजिए।

4. काव्य में रसों के महत्त्व को समझाइये।

5. वक्रोक्ति क्या है ? सोदाहरण लिखिए।

6. भ्रान्तिमान व अतिशयोक्ति अलंकारों का लक्षण लिखिए।

7. अधोलिखित में से किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए :

(क) काव्यं यशसे....

(ख) काव्यशोभाकरान् धर्मान् अलंकारान् प्रचक्षते।

8. किसी **एक** काव्य लक्षण की व्याख्या कीजिए।

अथवा

आनन्दवर्धनाचार्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

****